इन्स्टिटयूट ऑफ एडवान्स्ड रिसर्च, गांधीनगर के प्रथम दीक्षान्त समारोह में गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहलीजी का संबोधन।
(दिनांक : ७ फरवरी, २०१८)

- इन्स्टिटयूट ऑफ एडवान्स्ड रिसर्च, गांधीनगर के प्रथम दीक्षान्त समारोह में आप सभी के बीच सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ है, इसकी मुझे अत्यंत खुशी है।
- आज इस विश्वविद्यालय से जो छात्र एवं छात्राएं उपाधि प्राप्त कर रहे है, वे भाग्यशाली है। वे इस संस्थान के प्रथम पदवी धारक कहलाएंगे। मैं इस मौके पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और उनके गुरुजनों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। आज का दिन आपके शैक्षिक जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में आपको हमेशा याद रहेगा। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि भविष्य में भी आप इसी तरह आगे बढ़ते रहे और जीवन के जिस क्षेत्र में भी रहे कुछ अच्छा और अतुलनीय करने की कोशिश करे।
- मुझे ये कहते हुये प्रसन्नता है की इस विश्वविद्यालय की आधारशिला तीन ख्यातनाम स्वप्नदृष्टाओं के द्वारा रखी गई थी। वे है प्रोफेसर नाथुराम पूरी, गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा भारत के तत्काल राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम। प्रोफ़ेसर पूरी एक सफल व्यवसायी, उद्यमी और समोजोपयोगी बहु-आयामी व्यक्ति थे जिन्होंने इस संस्था को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई थी। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस संस्थान की आधारशिला रखी थी तथा स्वर्गीय डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने इस संस्थान का उदघाटन सान २००६ में किया था। वे तीनों स्वप्नदर्शी व्यक्तित्व हमारी नई पीढ़ी के

लिए अनुकरणीय उदाहरण हैं क्योंकि वे सभी विभूतियाँ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कठोर परिश्रम और अद्वितीय समर्पण भाव से अपने कर्तव्य का निर्वाह करके जीवन के उच्चतम शिखर पर पहुंचे थे।

- संसार में करने योग्य कार्य कोई भी अकेले परिपूर्ण नहीं कर सकता है। आपके माता-पिता, परिवार के सदस्य, आपके प्राध्यापको तथा मित्रो का इस लक्ष्य को हांसिल करने में बहुत ही अनुकरणीय योगदान है। इन लोगों ने आपके सपने साकार करने में अपना सहयोग दिया है। अब आप आनेवाले समय में बड़ी चुनौतियों का सामना करेंगे और अपने सपनों को साकार करने के प्रयत्न करेंगे। ऐसे अवसर पर में आपसे यह अनुरोध करना चाहूँगा कि आप जीवन मूल्य से जुड़े हुये ऐसे स्वप्न देखे जो केवल आपके लिए ही नहीं, बल्कि समस्त समाज के लिए भी लाभकारी हो।

- आपका ज्ञान आपके जीवन की प्रगति के लिये पर्याप्त नहीं है। शिक्षा, स्नातक तथा स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने से समाप्त नहीं होती है। उसे तो मनुष्य जीवनपर्यंत अर्जित करता रहता है। आप अपने आप को इस तरह से प्रशिस्त करे जिससे आप जीवनभर शिक्षार्थी बने रहे। भावि चुनौतियों का सामना करने के लिये आप विभिन्न प्रकार के कौशल्य से अपने आपको समर्थ बनाये।

- ज्ञान और बुद्धि का अर्जन एक नैतिक दायित्व है। आज जब आप इस संस्थान से प्रस्थान कर रहे है तब अपने आपको आश्वस्त रखे कि आपको जो बौद्धिक, सामाजिक और तकनीकी कौशल यहाँ के प्राध्यापको से प्राप्त हुआ है, वह आपको हमेशा उपयोगी सिद्ध होगा। आपके जीवन के कार्य क्षेत्र में ऐसी अनेक पेशेवर उपलब्धियां आपकी एक अनोखी पहचान बनेगी।

- उच्च शिक्षा का एक ओर महत्वपूर्ण अंग यह है कि सिखाये गए ज्ञान स्रोतों का पर्याप्त सामाजिक उपयोग हो। अत: शिक्षा एक अच्छे रोजगार का स्रोत बने यह जरूरी है। साथ ही, वह शिक्षा शिक्षार्थियों के एक वर्ग को रोजगारी की ओर प्रेरित करें और कुछ लोगों को स्वावलंबी भी बनाए ताकि वह अन्यों को रोजगार दे सकें। कुछ विद्यार्थियों को विभिन्न ज्ञान स्रोतों के अत्याधुनिक क्षेत्रों की तरफ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें, जिसका फल समाज को प्राप्त हो, ऐसी दिशा की ओर हम सब को मंथन करना चाहिए।
- अतिआवश्यक है कि आप जैसे नौजवानों के सामने शिक्षा प्राप्ति उपरांत एक दूरदर्शिता हो और उनमें सबसे उत्तम मानवीय मूल्यों का समावेश हो, क्योंकि आज हमारे सामने कई विषमतायें हैं। इस विज्ञान और टेक्नोलोजी के युग में मनुष्य की दूरी कैसे कम हो यह एक लक्ष्य हमारा होना चाहिए। इस दिशा में सभी को सहयोग करना होगा और सूक्ष्म स्तरों पर चिंतन करना होगा।
- हमारे राष्ट्रपिता पूज्य महात्मा गांधी जी ने दो पुस्तकें लिखी थी जिनके नाम है – "हिन्द स्वराज" तथा "मेरे सपनों का भारत" ("India of My Dreams")। इन पुस्तकों का मूल्य यह है की गांधीजी का मानना था कि धरती सबकी आवश्यकताएँ पूरी कर सकती है लेकिन सबका लोभ नहीं। उनका यह भी मानना था कि सच्ची सफलता सपने सोचते और उन्हें साकार करने की प्रयत्नशीलता में ही है।
- मैं आशा करता हूँ कि आनेवाले समय में यह विश्वविद्यालय अपनी मौलिक शैक्षणिक उन्नति की पहलों से शिक्षा जगत में अपना उत्कृष्ट स्थान जरूर बना पायेगा और इसके

छात्र और छात्राएं देश और दुनिया में अपनी उपलब्धियों के सहारे राष्ट्र और समाज को उन्नति की ऊंचाइयों पर पहुंचाने में मूल्यवान योगदान देंगे।

- इन्हीं शब्दों के साथ, एक बार फिर सभी उपाधि प्राप्तकर्ता छात्र एवं छात्राओं को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम साहब, देश के स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी और प्रोफेसर श्री नाथू राम पुरी जी के सपनों को सार्थक बनाने में और नये भारत के निर्माण के लिए आप सभी कृतसंकल्प बनेंगे। धन्यवाद।